भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या – 289
दिनांक 07.08.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंध

†*289. **श्री धर्मेन्द्र यादव**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पुलवामा आतंकी हमले के बाद से अब तक भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंधों की वर्तमान स्थिति क्या है और दोनों देशों के बीच राजनीतिक, राजनयिक और व्यापार स्तर पर क्या बदलाव हुए हैं;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच विभिन्न स्तरों पर कितनी द्विपक्षीय वार्ताएं हुई हैं और उनमें किन-किन मुद्दों पर चर्चा की गई है;और

(ग) क्या सरकार अभी भी इस बात पर कायम है कि जब तक सीमा-पार आतंकवाद समाप्त नहीं हो जाता, तब तक पाकिस्तान के साथ सामान्य द्विपक्षीय संबंध संभव नहीं है और यदि हां, तो इस संबंध में वर्तमान में सरकार की नीति क्या है?

उत्तर
विदेश मंत्री
(डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर)

(क) से (ग) विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

****

"भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंध" के संबंध में दिनांक 07.08.2026 के लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या 289 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में संदर्भित विवरण।

सरकार का यह निश्चित मत है कि पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध आतंक, शत्रुता और हिंसा से मुक्त माहौल में ही आगे बढ़ सकते हैं। तथापि, पाकिस्तान सीमापार आतंकवाद की नीति पर चल रहा है और आतंकवाद का उपयोग भारत के विरुद्ध आधिकारिक नीति के रूप में कर रहा है।

भारत ने पुलवामा आतंकी हमले के बाद, पाकिस्तान से मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) स्टेटस को वापस ले लिया और पाकिस्तान में तैयार होने वाली या निर्यात की जाने वाले सभी वस्तुओं पर सीमा शुल्क बढ़ाकर 200% कर दिया। तत्पश्चात पाकिस्तान ने कुछ एकपक्षीय कदम उठाने का ऐलान किया, जिसमें भारत के साथ राजनयिक संबंधों को डाउन ग्रेड करना और द्विपक्षीय व्यापार को निलंबित करना शामिल है।

भारत ने 22 अप्रैल 2025 को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों द्वारा पहलगाम आतंकी हमले की प्रतिक्रिया स्वरूप अनेक राजनयिक कदम उठाए, जिसमें सिंधु जल संधि को स्थगित करना, अटारी में चेक-पोस्ट बंद करना, वीज़ा पर रोक लगाना और संबंधित मिशनों में राजनयिक और आधिकारिक उपस्थिति को कम करना शामिल है। पाकिस्तान और पाक अधिकृत जम्मू और कश्मीर में आतंकवादी अवसंरचना पर सैन्य कार्रवाई भी की गई।

वर्तमान में, भारत और पाकिस्तान एक-दूसरे की राजधानी में अपने-अपने राजनयिक मिशन संचालित कर रहे हैं। दोनों पक्षों के बीच कार्यात्मक संपर्क जारी है, जिसमें डीजीएमओ-स्तर की वार्ताएँ, बैलिस्टिक मिसाइलों की फ्लाइट टेस्टिंग की अग्रिम अधिसूचना साझा करना, परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान और एक-दूसरे की हिरासत में मौजूद कैदियों की सूची का आदान-प्रदान शामिल है।

भारत ने सीमा पार आतंकवाद और इससे संबंधित अवसंरचना से समुचित ढंग से निपटने, किसी भी प्रकार के ब्लैकमेल को सहन न करने और अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए व्यापक स्तर पर कदम उठाने के संबंध में अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट कर दिया है। इन कदमों से भारत का यह स्पष्ट मत है कि सामान्य द्विपक्षीय संबंधों के लिए सीमा पार आतंकवाद का खात्मा अनिवार्य है।

*****